कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नोडल सेंटर बना बीए इंजीनियरिंग कॉलेज

- **आइपीइ की मदद से औद्योगिक इकोसिस्टम के वैल्यू क्रिएशन का नेतृत्व करेगा**

संवाददाता, गालूडीह

झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेयूटी) के तहत उद्योग-संस्थान सहयोग प्रकोष्ठ (आइआइसी) ने गुरुवार को सर्वप्रथम चिह्नित झारखंड के कोल्हान क्षेत्र में कार्य की शुरुआत की. उद्योग-संस्थान प्रकोष्ठ ने गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए राज्य में तीन केंद्रों की स्थापना की है. यह केंद्र कोल्हान क्षेत्र, बोकारो क्षेत्र और रांची क्षेत्र में हैं. बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नॉडल सेंटर बनाया गया है. यह आइपीइ की मदद से औद्योगिक इकोसिस्टम के वैल्यू क्रिएशन का नेतृत्व करेगा. इसी तरह बीआइटी सिंदरी बोकारो और धनबाद क्षेत्र तथा जेयूटी रांची क्षेत्र की गतिविधियों का नेतृत्व करेगा.

जेयूटी के कुलपति प्रो पीके मिश्रा ने 5 मई की शाम ऑनलाइन आयोजित बैठक के उद्घाटन भाषण में शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच समग्र सामाजिक हित और विकास के लिए साझेदारी के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि राज्य के तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्होंने इसे अपने मिशन के रूप में लिया है. उन्होंने आगे कहा कि अकादमिक क्षेत्र की भागीदारी ना केवल संगठित क्षेत्र के उद्योगों के लिए मूल्य सृजन में मदद कर सकती है बल्कि यह संभावित रूप से स्थानीय उद्योग और राज्य के हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक तारणहार की भूमिका निभा सकती है. जेयूटी के संयोजक आरआर झा ने कहा कि देश में पर्याप्त खनिज होने के बावजूद प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम है. यह शैक्षणिक- औद्योगिक साझेदारी राज्य के समग्र विकास के लिए लिए लाभकारी हो सकता है. बीएसीइटी के चेयरमैन सह जेयूटी के सलाहकार डॉ एस के सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया. उन्होंने इस पहल को राज्य में समयबद्ध और अपनी तरह का पहला कदम बताया.

कार्यशाला का आयोजन : वेंकटराम श्रीनिवास (एमडी इल्यूमिन) और उनके साथियों द्वारा इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए एक कार्यशाला का भी आयोजन किया. उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य मात्र समस्या समाधान की बजाय क्षमता की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करना भी है. उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो सकता है. कोल्हान औद्योगिक इकोसिस्टम में मूल्य सृजन का नेतृत्व करने के लिए बीएसीइटी के प्राध्यापकों एवं छात्रों की तीन टीमें बनायी गयी हैं.

इसमें आइपीइ के एक्सपर्ट्स मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे. निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में ये टीमें अपने संबंधित केंद्रों में मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम प्रणालियों की पहचान और चयन तथा उन क्षेत्रों में मौजूदा उद्योगों के बीच की खाई को कम करने में शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ कैसे सहयोग कर सकती है, इन पर चर्चा होगी. सभी को धन्यवाद देने के साथ बैठक समाप्त हुई.

बीएसीईटी को औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ का कोल्हान नोडल सेंटर बनाया

भास्कर न्यूज | घाटशिला

झारखंड राज्य के इतिहास में, यह दिन शैक्षणिक औद्योगिक सहयोग के रूप में एक नई शुरुआत का दिन है। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तहत उद्योग-संस्थान सहयोग प्रकोष्ठ ने [illegible] झारखंड के कोल्हान क्षेत्र के [illegible] की शुरुआत की। विश्वविद्यालय के उद्योग-संस्थान प्रकोष्ठ ने अपनी गतिविधियों को पूरा रूप देने के लिए राज्य में तीन सेंटरों की स्थापना की है। ये केंद्र कोल्हान क्षेत्र, कोयला क्षेत्र और रांची क्षेत्र हैं। बी. ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीएसीईटी) को कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नोडल सेंटर बनाया गया है। [illegible] औद्योगिक [illegible] का नेतृत्व करेगा। इसी तरह, बीआईटी सिंदरी कोयला एवं धनबाद क्षेत्र तथा झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय रांची क्षेत्र में गतिविधियों का नेतृत्व करेगा। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी के मिश्रा ने 05 मई को शाम 4.30 बजे ऑनलाइन आयोजित शुरुआती मीटिंग के उद्घाटन भाषण में शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच [illegible] और विकास के लिए साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राज्य के तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्होंने इसे अपने मिशन के रूप में लिया है ताकि मूल्य निर्माण के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच की खाई को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि अकादमिक क्षेत्र की भागीदारी न केवल संबंधित क्षेत्र के उद्योगों के लिए मूल्य सृजन में मदद कर सकती है, बल्कि यह संभावित रूप से स्थानीय उद्योग और राज्य के [illegible] क्षेत्र के लिए एक [illegible] की भूमिका भी निभा सकती है।

कंसल्टेंसी सेल ने बताया... देश में उपलब्ध कुल जमा खनिज का लगभग 25 प्रतिशत होने के बावजूद, प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम

आर आर झा, परियोजना अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ सोसाइटी एंड इंजीनियरिंग एवं संयोजक, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उद्योग-संस्थान कंसल्टेंसी सेल ने बताया कि देश में उपलब्ध कुल खनिज स्रोत का लगभग 25 प्रतिशत होने के बावजूद, प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम है। कैसे यह शैक्षणिक- औद्योगिक साझेदारी राज्य के समग्र विकास के लिए लिए प्लेटफॉर्म को बनाता है। डॉ एस के सिंह, [illegible] बीएसीईटी और [illegible], झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने पूरी कार्यवाही का संचालित किया और उन्होंने इस पहल को राज्य में [illegible] और अपनी तरह का पहला कदम बताया। [illegible] के एमडी [illegible] और उनके कर्मचारियों द्वारा इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए एक [illegible] कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य [illegible] की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करना भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण हिस्सेदार हो सकता है, क्योंकि उनके पास मूल्य सृजन के लिए एक और-[illegible] दृष्टिकोण [illegible] की अतिरिक्त शक्ति है, जो और किसी के पास नहीं है। कोल्हान औद्योगिक इकोसिस्टम में मूल्य सृजन का नेतृत्व करने के लिए बीएसीईटी के प्राचार्य [illegible] [illegible] की भूमिका [illegible] [illegible] ने बताया कि [illegible] [illegible] उन क्षेत्रों में मौजूद [illegible] खाई को कम करने में शैक्षणिक-[illegible] [illegible] है, इन [illegible] को धन्यवाद देते [illegible]

कोल्हान इंडस्ट्रीयल इको सिस्टम में वैल्यू एडिशन करेंगे बीएसीइटी के छात्र

बीए इंजीनियरिंग कॉलेज बना जेयूटी औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ का नोडल सेंटर

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड राज्य के इतिहास में, यह दिन शैक्षणिक औद्योगिक सहयोग के रूप में एक नई शुरुआत का दिन है। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेयूटी) के तहत उद्योग-संस्थान सहयोग प्रकोष्ठ (आइआइसी) ने आज सर्वप्रथम चिन्हित झारखंड के कोल्हान क्षेत्र के कामकाज की शुरुआत की। विश्वविद्यालय के उद्योग-संस्थान प्रकोष्ठ ने अपनी गतिविधियों को मुर्त रूप देने के लिए राज्य में तीन केंद्रों की स्थापना की। ये केंद्र कोल्हान क्षेत्र, बोकारो क्षेत्र और रांची क्षेत्र हैं। बी.एक्लेज अफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलजी (बीएसीइटी), जमशेदपुर को कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नोडल सेंटर बनाया गया, जो कि आइपीई के सहयोग से औद्योगिक इकोसिस्टम के वैल्यू क्रिएशन का नेतृत्व करेगा ।इसी तरह, बीआईटी सिंदरी बोकारो एवं धनबाद क्षेत्र

तथा जेयूटी रांची क्षेत्र में गतिविधियों का नेतृत्व करेगा। प्रो. पी के मिश्रा, माननीय कुलपति, जेयूटी ने 05 मई के शाम 430 बजे अनलाइन आयोजित शुरुआती मीटिंग के उद्घाटन भाषण में, शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच समग्र सामाजिक हित और विकास के लिए साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्होंने इसे अपने मिशन के रूप में लिया है ताकि मूल्य निर्माण के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच की खाई को कम किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि अकादमिक क्षेत्र की भागीदारी न केवल संगठित क्षेत्र के उद्योगों के लिए मुल्य सृजन में मदद कर सकती है, बल्कि यह संभावित रूप से स्थानीय उद्योग और राज्य के हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक तारणहार की भूमिका भी निभा सकती है। आर आर झा, संस्थापक अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट अफ प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग (आइपीई) एवं संयोजक जेयूटी उद्योग-संस्थान कंसल्टेंसी सेल ने कहा कि देश में उपलब्ध कुल खनिज जमा का लगभग 25 प्रतिशत होने के बावजूद, प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम है और कैसे यह शैक्षणिक- औद्योगिक साझेदारी राज्य के समग्र विकास के लिए लिए फायदेमंद को सकता है। डा एस के सिंह, चेयरमैन बीएसीइटी और सलाहकार, जेयूटी ने पूरी कार्यवाही को संचालित किया और उन्होंने इस पहल को राज्य में समयबद्ध और अपनी तरह का पहला कदम बताया।

श्री वेंकटराम श्रीनिवास, एमडी इल्यूमिने, और उनके साथियों द्वारा इन क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए एक मंथन कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य मात्र समस्या-समाधान के बजाय क्षमता की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करना भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो सकता है क्योंकि उसके पास मूल्य सृजन के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अद्वितीय शक्ति है, जो और किसी के पास नहीं है।

कोल्हान औद्योगिक इकोसिस्टम में मूल्य सृजन का नेतृत्व करने के लिए बीएसीइटी के प्राध्यापकों एवं छात्रों की तीन टीमें बनायीं गयी, जिसमें आइपीई के एक्सपर्ट्स मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। यह निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में ये टीमें अपने संबंधित केंद्रों में मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम प्रणालियों की पहचान और चयन तथा उन क्षेत्रों में मौजूदा उद्योगों के बीच की खाई को कम करने में शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ कैसे सहयोग कर सकती है, इन विषयों पर चर्चा करेंगी । बैठक सभी को धन्यवाद देने के साथ समाप्त हुई।

झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी

राज्य में तीन औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ की हुई शुरुआत

बीए इंजीनियरिंग कॉलेज बना कोल्हान का नोडल सेंटर

- आइपीइ के सहयोग से औद्योगिक इकोसिस्टम के वैल्यू क्रिएशन का करेगा नेतृत्व

लाइफ रिपोर्टर@जमशेदपुर

झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के तहत उद्योग संस्थान सहयोग प्रकोष्ठ ने गुरुवार से कोल्हान क्षेत्र में कामकाज की शुरुआत की. विश्वविद्यालय के उद्योग संस्थान प्रकोष्ठ ने अपनी गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए राज्य में तीन केंद्रों की स्थापना की है. ये केंद्र कोल्हान क्षेत्र, बोकारो क्षेत्र और रांची क्षेत्र हैं. बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जमशेदपुर को कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नोडल सेंटर बनाया गया, जो कि आइपीइ के सहयोग से औद्योगिक इकोसिस्टम के वैल्यू क्रिएशन का नेतृत्व करेगा.

इसी तरह बीआइटी सिंदरी बोकारो एवं धनबाद क्षेत्र व झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी रांची क्षेत्र में गतिविधियों का नेतृत्व करेगा. झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो पीके मिश्रा ने बुधवार की शाम ऑनलाइन मीटिंग के जरिये नोडल सेंटरों का उद्घाटन किया. अपने अभिभाषण में उन्होंने शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच समग्र सामाजिक हित और विकास के लिए साझेदारी के महत्व पर बल दिया. कहा कि राज्य के तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उन्होंने इसे अपने मिशन के रूप में लिया है, ताकि मूल्य निर्माण के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच की खाई कम की जा सके. उन्होंने कहा कि एकेडमिक क्षेत्र की भागीदारी न केवल संगठित क्षेत्र के उद्योगों के लिए मूल्य सृजन में मदद कर सकती है, बल्कि यह संभावित रूप से स्थानीय उद्योग और राज्य के हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक तारणहार की भूमिका भी निभा सकती है.

शैक्षणिक-औद्योगिक साझेदारी राज्य के विकास के लिए फायदेमंद

इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग के संस्थापक अध्यक्ष आरआर झा ने कहा कि देश में उपलब्ध कुल जमा खनिज का लगभग 25 प्रतिशत होने के बावजूद प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम है. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह शैक्षणिक-औद्योगिक साझेदारी राज्य के समग्र विकास के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है. बीए इंजीनियरिंग कॉलेज के चेयरमैन सह झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के सलाहकार डॉ एसके सिंह ने पूरी प्रक्रिया का संचालन किया. उन्होंने इस पहल को राज्य में समयबद्ध और अपनी तरह का पहला कदम बताया.

समस्या का समाधान ही नहीं, क्षमता का पूरा इस्तेमाल हो लक्ष्य

- कार्यशाला में शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

इस अवसर पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया. जिसमें खास तौर पर एल्युमिनाइ एसोसिएशन के प्रमुख वेंकटराम श्रीनिवास ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य मात्र समस्या-समाधान करने की बजाय क्षमता की प्राप्ति की दिशा में मार्गदर्शन करना भी है. उन्होंने बल देकर कहा कि विश्वविद्यालय किसी भी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो सकता है, क्योंकि उसके पास मूल्य सृजन के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अद्वितीय शक्ति है, जो और किसी के पास नहीं है. कोल्हान औद्योगिक इकोसिस्टम में मूल्य सृजन का नेतृत्व करने के लिए बीए इंजीनियरिंग कॉलेज एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसरों व छात्रों की तीन टीमें बनायीं गयी है, जिसमें आइपीइ के एक्सपर्ट्स मार्गदर्शक की भूमिका निभायेंगे. निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में ये टीमें अपने संबंधित केंद्रों में मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम प्रणालियों की पहचान और चयन के साथ ही उन क्षेत्रों में मौजूदा उद्योगों के बीच की खाई को कम करने में शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग प्रकोष्ठ कैसे सहयोग कर सकता है, इन विषयों पर चर्चा की जायेगी.

उद्योगों के साथ समन्वय के लिए जेयूटी ने तीन नोडल सेंटर बनाये

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी (जेयूटी) ने उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए तीन नोडल सेंटर बनाये हैं. यह नोडल सेंटर उद्योग-संस्थान सहयोग प्रकोष्ठ की गतिविधियों को मूर्त रूप देने के लिए स्थापित किये गये हैं. इनमें कोल्हान, बोकारो और रांची क्षेत्र शामिल हैं. बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर को कोल्हान औद्योगिक क्षेत्र का नोडल सेंटर बनाया गया है. यह औद्योगिक इकोसिस्टम के वेल्यू क्रिएशन का नेतृत्व करेगा. इसी तरह बीआइटी सिंदरी को बोकारो एवं धनबाद क्षेत्र के लिए नोडल सेंटर बनाया गया है. जबकि झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी रांची क्षेत्र में गतिविधियों का नेतृत्व करेगा. गुरुवार को विवि में आयोजित ऑनलाइन बैठक में कुलपति प्रो पीके मिश्र ने कहा कि शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच समग्र सामाजिक हित और विकास के लिए साझेदारी का महत्व है. उन्होंने कहा कि राज्य के तकनीकी विवि के कुलपति के रूप में उन्होंने इसे अपने मिशन के रूप में लिया है, ताकि मूल्य निर्माण के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक जगत के बीच की खाई को कम किया जा सके. इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोजेक्ट एंड इंजीनियरिंग के अध्यक्ष आरआर झा ने कहा कि देश में उपलब्ध कुल खनिज जमा का लगभग 25 प्रतिशत होने के बावजूद भी प्रति व्यक्ति राज्य का घरेलू उत्पाद देश में सबसे कम है. बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के अध्यक्ष व जेयूटी के सलाहकार डॉ एसके सिंह इसे राज्य में अपनी तरह का पहला कदम बताया. इल्यूमिने के एमडी वेंकटराम श्रीनिवास ने कहा कि विवि किसी भी इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण खिलाड़ी हो सकता है, क्योंकि उसके पास मूल्य सृजन के लिए एक अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अद्वितीय शक्ति है.

- इनमें कोल्हान, बोकारो और रांची क्षेत्र शामिल हैं